vinetur

अमेरिका में रेस्तरां मेन्यू के दाम अक्टूबर में 0.5% बढ़े, दिसंबर 2025 के बाद सबसे बड़ी मासिक वृद्धि

रेस्तरां मेन्यू के दाम किराने की महंगाई से अधिक बढ़े, जिससे लागत का अंतर बढ़ा और बाहर खाने की मांग पर दबाव पड़ सकता है

बुधवार, 11 नवंबर 2026



नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन के मंगलवार, 10 नवंबर को प्रकाशित विश्लेषण के अनुसार, अमेरिका में रेस्तरां मेन्यू के दाम अक्टूबर में 0.5% बढ़े। दिसंबर 2025 के बाद यह सबसे बड़ी मासिक वृद्धि थी। इससे बाहर खाने और घर पर खाने की लागत के बीच अंतर बढ़ गया और रेस्तरां की मांग पर दबाव बढ़ा।

एसोसिएशन ने कहा कि अक्टूबर की वृद्धि सितंबर में दर्ज 0.2% की मासिक बढ़ोतरी से स्पष्ट रूप से तेज थी। 2026 के पहले 10 महीनों में मेन्यू के दाम औसतन हर महीने 0.3% बढ़े। पिछले 13 महीनों में इनमें 4.0% की वृद्धि हुई।

इसके मुकाबले किराने के सामान की कीमतें धीमी गति से बढ़ीं। एसोसिएशन के अनुसार, घर पर खाने के लिए खाद्य पदार्थों के दाम सितंबर में 0.1% बढ़ने के बाद अक्टूबर में 0.3% बढ़े। 2026 में अब तक किराने के दाम औसतन हर महीने

0.2% बढ़े हैं और पिछले 13 महीनों में इनमें 2.2% की वृद्धि हुई—रेस्तरां मेन्यू के दामों में हुई बढ़ोतरी की लगभग आधी।

रेस्तरां उद्योग के लिए यह अंतर अहम है, क्योंकि इससे उपभोक्ताओं के खर्च के बंटवारे पर असर पड़ सकता है। एसोसिएशन ने कहा कि घर पर खाने और घर से बाहर खाने की महंगाई के बीच बढ़ता अंतर रेस्तरां में ग्राहकों की आवाजाही के लिए बाधा बन सकता है, क्योंकि परिवार बाहर खाने की लागत की तुलना घर पर भोजन तैयार करने के खर्च से करते हैं।

फुल-सर्विस रेस्तरां में दामों की वृद्धि सीमित-सेवा चेन और अन्य क्विक-सर्विस संचालकों की तुलना में अधिक रही। फुल-सर्विस रेस्तरां के मेन्यू के दाम सितंबर में 0.3% बढ़ने के बाद अक्टूबर में 0.7% बढ़े। सीमित-सेवा रेस्तरां के दाम पिछले महीने 0.2% बढ़ने के बाद अक्टूबर में 0.4% बढ़े। हालांकि 2026 में दोनों सेगमेंट में औसत मासिक वृद्धि 0.3% रही, लेकिन 13 महीनों में फुल-सर्विस रेस्तरां के दामों में अधिक, 4.4% की वृद्धि हुई, जबकि सीमित-सेवा रेस्तरां में यह 3.6% थी।

घर से बाहर खाने की व्यापक श्रेणी के अन्य हिस्सों में मिले-जुले नतीजे सामने आए। वेंडिंग मशीनों और मोबाइल विक्रेताओं के दाम अक्टूबर में 0.5% बढ़े, जबकि कर्मचारी स्थलों और स्कूलों के साथ-साथ घर से बाहर खाने के अन्य स्थानों पर दाम पिछले महीने के स्तर पर ही रहे। एसोसिएशन ने कहा कि इन श्रेणियों में महीने-दर-महीने काफी उतार-चढ़ाव हो सकता है। सितंबर 2025 से कर्मचारी स्थलों और स्कूलों में दाम 3.7% बढ़े, जबकि वेंडिंग और मोबाइल विक्रेताओं के दामों में 2.5% की वृद्धि हुई। घर से बाहर खाने की व्यापक 'अन्य' श्रेणी में पिछले 13 महीनों में 4.1% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

क्षेत्रीय आंकड़ों के अनुसार, मेन्यू के दामों में सबसे बड़ी मासिक वृद्धि मिडवेस्ट में दर्ज हुई, जहां अक्टूबर में कीमतें 0.7% बढ़ीं। इसके बाद वेस्ट में 0.6%, साउथ में 0.5% और नॉर्थईस्ट में 0.2% की वृद्धि हुई। एसोसिएशन के अनुसार, पिछले 13 महीनों में भी मिडवेस्ट में सबसे तेज, 5.1% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके बाद वेस्ट में 3.9%, नॉर्थईस्ट में 3.7% और साउथ में 3.6% की वृद्धि हुई।

रेस्तरां के दामों के ये आंकड़े ऐसे समय आए हैं जब अक्टूबर में उपभोक्ता महंगाई व्यापक स्तर पर ऊंची बनी रही। एसोसिएशन ने कहा कि कुल उपभोक्ता कीमतें महीने के दौरान 0.4% बढ़ीं। यह सितंबर की 0.6% वृद्धि से कम थी, लेकिन कीमतें अब भी अच्छी-खासी गति से बढ़ रही थीं। ऊर्जा इसकी प्रमुख वजह बनी रही : अक्टूबर में पेट्रोल के दाम 1.0%, पिछले तीन महीनों में 14.5% और एक साल पहले की तुलना में 37.4% बढ़े। अगस्त में स्थिर रहने के बाद अक्टूबर में कुल खाद्य कीमतें भी 0.5% बढ़ीं।

सरकारी शटडाउन के दौरान अक्टूबर 2025 की महंगाई के आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण, अक्टूबर 2026 के लिए कुल उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की साल-दर-साल तुलना नहीं की जा सकी, एसोसिएशन ने कहा। इसके बजाय, उसने बताया कि पिछले तीन महीनों में उपभोक्ता कीमतें वार्षिकीकृत 5.7% की दर से बढ़ीं और पिछले 13 महीनों में 4.1% बढ़ीं। खाद्य और ऊर्जा को छोड़कर मूल उपभोक्ता कीमतें लगातार तीसरे महीने 0.3% बढ़ीं और पिछले 13 महीनों में 2.9% ऊपर रहीं।

एसोसिएशन ने कहा कि परिवहन सेवाएं, घरेलू साज-सामान और आपूर्तियां तथा चिकित्सा देखभाल से जुड़ी वस्तुएं अक्टूबर की महंगाई में प्रमुख योगदानकर्ताओं में शामिल थीं, जबकि पुरानी कारों और ट्रकों के दाम 1.2% घटे। उसने यह भी कहा कि अक्टूबर की महंगाई अपेक्षा से अधिक रही और सितंबर में ब्याज दर बढ़ाए जाने के बाद, 7-8 दिसंबर की बैठक में फेडरल रिजर्व द्वारा एक और बढ़ोतरी के पक्ष में तर्क को संभवत: मजबूती मिली।

रेस्तरां संचालकों के लिए नए आंकड़े एक मुश्किल संतुलन की ओर इशारा करते हैं। मेन्यू के दाम किराने की महंगाई से अधिक गति से बढ़ रहे हैं। बढ़ती परिचालन लागत की भरपाई के लिए ऐसा करना जरूरी हो सकता है, लेकिन यही अंतर

उपभोक्ताओं को बाहर खाने के मामले में अधिक सतर्क भी कर सकता है—खासकर तब, जब व्यापक महंगाई और ईंधन की लागत घरेलू बजट पर दबाव बनाए हुए हैं।